होरी गीत

1

(सुमिरन)

सुमिरो में सिरी भगवान, आहे लाल, सुमिरो में सिरी भगवान
आहे, जेहि सुमिरत सभ काज बनतु हैं ।। टेक।।

पुरूब में सुमिरिला उगत सुरूज के, पच्छिम सुमिरि सुबहान,
उत्तर में सुमिरिला मातु गंगा के, दखिन में बीर हनुमान
निचवा सुमिरिला धरती मइया के, उपरा सुमिरी भगवान ।। टेक।।

गया में सुमिरो गजाधर नाथ के, कासी बिसेसर नाथ
जेहि सुमिरत सभ काम बनतु है, सुमिरो में सिरी भगवान ।। टेक।।

2

सरजू तट राम खेलत होरी ।। टेक।।

दउरि-दउरि फिचुकारी चलावे, अबीर, गुलाल भरे झोरी।
भीर अपार सखिन की सुन्दरी, कोई साँवरि कोई गोरी।।

सखिन-सखिन मिलि फाग रचो है, भाग सखा सब मुख मोरी।
मधुर लता हारे रघुनन्दन, जाय सिया ढिग कर जोरी।।

3

बंगला में उड़ेला अबीर

आहोऽ लालऽ, बंगला में उड़ेला अबीर ....

बाबू कुँवर सिंह तेगवा बहादुर

बंगला में उड़ेला अबीर ....

हो बाबू ऽऽ, आहो ऽ बाबू कुँवर सिंह तेगवा बहादुर

बंगला में उड़ेला अबीर ....

एक बंगला छोड़ले, दूसर बंगला छोड़ले

तीसरे में उड़ेला अबीर ....

आहोऽ लालऽ, बंगला में उड़ेला अबीर ....

अभ्यास

1. होरी में कवन-कवन वाद्य यंत्र बाजेला? पता करीं।
2. होरी गीत के सामूहिक गायन करीं।
3. अपना होरी मनवला के अनुभव लिखीं।

शब्द-भंडार

सुमिरो	–	प्रार्थना कइल
मातु	–	माता/मईया
सभ	–	सब
दउरि-दउरि	–	दौड़-दौड़ के